



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 166]

No. 166]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 28, 1980/वैशाख 8, 1902

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 28, 1980/VAISAKHA 8, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भारत निर्वाचन आयोग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1980

का०भ्रा० 279(अ).—यतः अपने पास उपलब्ध जानकारी के आधार पर और तारीख 23 और 26 अप्रैल, 1980 को दोनों गुटों के परामर्श दाताओं और अन्य प्रतिनिधियों को सुनने के पश्चात्, निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि राष्ट्रीय बल जनता पार्टी (सेक्यूलर) के ऐसे दो प्रतिद्वन्दी समूह अथवा गुट हैं जिन में से हर एक वह बल होने का दावा करता है, ऐसा एक श्री राज नारायण के नेतृत्व वाला समूह अथवा गुट है और दूसरा श्री चरण सिंह के नेतृत्व वाला समूह अथवा गुट है।

और यतः, निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और आर्बंटन) अधिनियम, 1968 के पैरा 15 के अनुसार (इसके भागों यह 'प्रतीक अधिनियम' के रूप में संदर्भित है), यह मामला निर्वाचन आयोग द्वारा विनिश्चित किया जाना अपेक्षित है कि ऐसे प्रतिद्वन्दी समूहों अथवा गुटों में से कौन सा समूह अथवा गुट उक्त जनता पार्टी (सेक्यूलर) है ;

और यतः, प्रतीक अधिनियम के पैरा 15 के अनुसार, उक्त विवाद, बिहार, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, तमिल-नाडु, और उत्तर प्रदेश राज्यों की विधान सभाओं के साधारण निर्वाचनों के प्रयोजनों के लिए 2 मई, 1980 को नाम-निर्देशन पत्र को वांछित करने की प्रक्रिया को समाप्ति जिसका क्रमशः राज्यों के राज्यपालों द्वारा

तारीख 25 अप्रैल, 1980 को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 15 के अधीन अधिसूचना जारी कर पहले ही आह्वान किया गया है, से पूर्व विनिश्चित नहीं किया जा सकता है ;

और यतः, निर्वाचन आयोग मानता है कि न्याय और न्याय व्यवहार के हित में, उक्त जनता पार्टी (सेक्यूलर) के उक्त प्रतिद्वन्दी समूहों अथवा गुटों में से किसी को भी, उक्त साधारण निर्वाचनों के समय उक्त जनता पार्टी (सेक्यूलर) का नाम अथवा उस दल के लिए प्रारक्षित प्रतीक 'खेत जोतता हुआ किसान' द्वारा पहले अथवा दूसरे गुट अथवा समूह को लाभ नहीं होना चाहिए ;

और यतः निर्वाचन आयोग यह भी मानता है कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचनों के हित में, उक्त प्रतिद्वन्दी समूहों अथवा गुटों को, दोनों में से प्रत्येक के लिए प्रारक्षित अलग-अलग प्रतीक पर उक्त साधारण निर्वाचन लड़ने के लिए अवसर मिलना चाहिए ;

अतः अब, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 5 और 10, निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और आर्बंटन) अधिनियम, 1968 के पैरा 3, 6, 7, 8 और 18 के साथ पठित संविधान के अनुच्छेद 324 द्वारा निर्वाचन आयोग को प्रवृत्त शक्तियों तथा इस निमित्त उसे समर्थ बनानी वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त पैरा 1 में संदर्भित उक्त जनता पार्टी (सेक्यूलर) के दोनों प्रतिद्वन्दी समूहों अथवा गुटों के बीच विवाद में अन्तिम आदेशों तक, निर्वाचन आयोग एतद्वारा आदेश देता है कि :—

- (1) श्री राजनारायण के नेतृत्व वाले जनता पार्टी (सेक्यूलर) के गुट को 'जनता पार्टी (सेक्यूलर)-राजनारायण' और

श्री चरण सिंह के नेतृत्व वाले जनता पार्टी (सेक्यूलर) के गुट को 'जनता पार्टी (सेक्यूलर)—चौ० चरण सिंह' के रूप में जाना जाए ;

- (2) उक्त 'जनता पार्टी (सेक्यूलर)—राजनारायण' और 'जनता पार्टी (सेक्यूलर)—चौ० चरण सिंह' को केवल बिहार, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, और उत्तर प्रदेश राज्यों की विधान सभाओं के साधारण निर्वाचनों के प्रयोजनों के लिए जो अब प्रगति पर हैं, दलों के रूप में तदर्थ आधार पर मान्यता दी जाए ;
- (3) केवल उक्त ही राज्यों में उक्त 'जनता पार्टी (सेक्यूलर)—राजनारायण' के लिए 'साइकिल' प्रतीक और उक्त 'जनता पार्टी (सेक्यूलर)—चौ० चरण सिंह' के लिए 'स्त्री' प्रतीक आरक्षित किया जाए ।

2. निर्वाचन आयोग, निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और प्रायंटन) आदेश, 1968 के पैरा 17 के उप-पैरा (1) के खंड (क) और (घ) तथा उप-पैरा (2) के अनुसरण में, एतद्वारा आगे यह निर्देश देता है कि भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड 3(ii), तारीख 28 नवम्बर, 1979 में कां०आ० 557 (अ) के रूप में प्रकाशित और समय-समय पर यथा संशोधित, इसकी तारीख 28 नवम्बर, 1979 की अधिसूचना सं० 56/79 में निम्नलिखित संशोधन किए जाएं, अर्थात्—

- (1) विद्यमान प्रविष्टि '6' जनता पार्टी (सेक्यूलर)—खेत जोतता हुआ किसान' के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी—

"6, जनता पार्टी (सेक्यूलर) राजनारायण —साइकिल*

7, जनता पार्टी (सेक्यूलर)—चौ० चरणसिंह—स्त्री*

*तारीख 25 अप्रैल, 1980 को आह्वान किए गए विधान सभाओं के निर्वाचनों की कालावधि के लिए बिहार, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश राज्यों में आरक्षित ।

(II) उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी 4 में—

- (1) मद सं० 3—बिहार के सामने, स्तम्भ 2 के नीचे, '2. साइकिल' और '28. स्त्री' प्रविष्टियां हटाई जाएंगी और 3 से 27 तक की विद्यमान प्रविष्टियां 2 से 26 तक के रूप में पुनः संख्यांकित की जाएंगी और 29 से 52 तक की प्रविष्टियां 27 से 50 तक के रूप में पुनः संख्यांकित की जाएंगी ।

(2) मद सं० 4 गुजरात के सामने, स्तम्भ 2 के नीचे, '1. साइकिल' प्रविष्टि हटाई जाएगी और 2 से 15 तक की विद्यमान प्रविष्टियां 1 से 14 तक के रूप में पुनः संख्यांकित की जाएंगी ;

(3) मद सं० 10, मध्य प्रदेश के सामने, स्तम्भ 2 के नीचे, '1. साइकिल' और '52. स्त्री' प्रविष्टियां हटाई जाएंगी और 2 से 51 तक की विद्यमान प्रविष्टियां 1 से 50 तक के रूप में पुनः संख्यांकित की जाएंगी ;

(4) मद सं० 11, महाराष्ट्र के सामने, स्तम्भ 2 के नीचे, '2. साइकिल' और '48. स्त्री' प्रविष्टियां हटाई जाएंगी और 3 से 47 तक की विद्यमान प्रविष्टियां 2 से 46 तक के रूप में पुनः संख्यांकित की जाएंगी ;

(5) मद सं० 15, उड़ीसा के सामने, स्तम्भ 2 के नीचे, '2. साइकिल' प्रविष्टि हटाई जाएगी और 3 से 13 तक की विद्यमान प्रविष्टियां 2 से 13 तक के रूप में पुनः संख्यांकित की जाएंगी ;

(6) मद सं० 16, पंजाब के सामने, स्तम्भ 2 के नीचे, '1

कस' प्रविष्टि हटाई जाएगी और सा० 2 से 22 तक की विद्यमान प्रविष्टियां 1 से 21 तक के रूप में पुनः संख्यांकित की जाएंगी ;

(7) मद सं० 17, राजस्थान के सामने, स्तम्भ 2 के नीचे, '1. साइकिल' प्रविष्टि हटाई जाएगी और 2 से 24 तक की विद्यमान प्रविष्टियां 1 से 23 तक के रूप में पुनः संख्यांकित की जाएंगी ;

(8) मद सं० 19—तमिलनाडु, के सामने, स्तम्भ 2 के नीचे, 'साइकिल' प्रविष्टि हटाई जाएगी और 3 से 21 तक की विद्यमान प्रविष्टियां 2 से 20 तक के रूप में पुनः संख्यांकित की जाएंगी, और

(9) मद सं० 21—उत्तर प्रदेश के सामने, स्तम्भ 2 के नीचे, '2. साइकिल' प्रविष्टि हटाई जाएगी और 3 से 27 तक की विद्यमान प्रविष्टियां 2 से 26 तक के रूप में पुनः संख्यांकित की जाएंगी ।

[सं० 56/79-12]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th April, 1980

S.O. 279(E).—Whereas the Election Commission is satisfied, on information in its possession and after hearing the counsels and other representatives for both the groups on 23rd and 26th April, 1980, that there are two rival sections or groups of the Janata Party (Secular), a National Party, each of whom claims to be that party, one such section or group being led by Shri Raj Narain and the other being led by Ch. Charan Singh ;

And whereas the matter requires to be decided by the Commission in terms of paragraph 15 of the Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968 (hereinafter referred to as the 'Symbol Orders') as to which of such rival sections or groups is the said Janata Party (Secular) ;

And whereas the above dispute in terms of paragraph 15 of the Symbols Order cannot be decided before the process of nominations closes on the 2nd May, 1980 for the purposes of the general elections to the Legislative Assemblies of the States of Bihar, Gujarat, Madhya Pradesh, Maharashtra, Orissa, Punjab, Rajasthan, Tamil Nadu and Uttar Pradesh which have already been called by the Governors of the respective States on the 25th April, 1980 by issuance of Notification under section 15 of the Representation of the People Act, 1951 ;

And whereas the Commission considers that in the interest of justice and fair-play none of the above said rival groups or sections of the said Janata Party (Secular) should have an advantage over the other group or section at the said general elections by using the name of the said Janata Party (Secular) or the symbol 'Farmer Ploughing the Field (Khet Jotata Hua Kisan)' reserved for that party ;

And whereas the Commission further considers that in the interest of free and fair elections both the above said rival sections or groups should have the opportunity of contesting the above said general elections on separate symbols reserved for each of them ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred on the Election Commission by article 324 of the Constitution read with rules 5 and 10 of the Conduct of Elections Rules, 1961, paragraphs 3, 6, 7, 8 and 18 of the Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968 and all other powers enabling it in this behalf, pending final orders in the dispute between the two rival sections or groups of the said Janata Party (Secular) referred to in paragraph 1 above, the Election Commission hereby orders that :—

(i) the group of the Janata Party (Secular) led by Shri Raj Narain be known as 'Janata Party (Secular)—Raj Narain' and that other group of the Janata Party (Secular) led by Ch. Charan Singh be known as 'Janata Party (Secular)—Ch. Charan Singh' ;

(ii) the said 'Janata Party (Secular)—Raj Narain' and 'Janata Party (Secular)—Ch. Charan Singh' be granted ad hoc recognition as Parties for the only

purpose of general election to the Legislative Assemblies of the States of Bihar, Gujarat, Madhya Pradesh, Maharashtra, Orissa, Punjab, Rajasthan, Tamil Nadu and Uttar Pradesh, now in progress;

- (iii) the symbol 'Bicycle' be reserved for the said 'Janata Party (Secular)—Raj Narain' and the symbol 'Woman' be reserved for the said 'Janata party (Secular)—Ch. Charan Singh' only in the said nine States.

2. In pursuance of clauses (a) and (d) of sub-para (1) and sub-para (2) of paragraph 17 of the Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968, the Commission hereby further directs that the following amendments shall be made to its notification No. 56/79 dated 28th September, 1979 published as S.O. 557(F) in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3(ii) dated 28th September, 1979, and as amended from time to time, namely—

In TABLE 1 appended to the said Notification—

- I. For the existing entry "6. Janata Party (Secular).... Farmer ploughing the Field (Khet Jotata Hua Kisan)" the following entries shall be substituted—

"6. Janata Party (Secular) Raj Narain.	—	Bicycle*
7. Janata Party (Secular) Ch. Charan Singh.	—	Woman*

* Reserved in the States of Bihar, Gujarat, Madhya Pradesh, Maharashtra, Orissa, Punjab, Rajasthan, Tamil Nadu and Uttar Pradesh for the duration of the elections to Legislative Assemblies called on the 25th April, 1980."

II. In TABLE 4 appended to the said Notification—

- (i) against item No. 3. Bihar, under column 2, the entries "2. Bicycle" and "28. Woman" shall be

deleted and the existing entries 3 to 27 shall be renumbered as 2 to 26 and entries 29 to 52 shall be renumbered as 27 to 50;

- (ii) against item No. 4. Gujarat, under column 2, the entry "1. Bicycle" shall be deleted and the existing entries 2 to 15 shall be renumbered as 1 to 14;
- (iii) against item No. 10. Madhya Pradesh, under column 2, the entries "1. Bicycle" and "52. Woman" shall be deleted and the existing entries 2 to 51 shall be renumbered as 1 to 50;
- (iv) against item No. 11. Maharashtra, under column 2, the entries "2. Bicycle" and "48. Woman" shall be deleted and the existing entries 3 to 47 shall be renumbered as 2 to 46;
- (v) against item No. 15. Orissa, under column 2, the entry "2. Bicycle" shall be deleted and the existing entries 3 to 13 shall be renumbered as 2 to 12;
- (vi) against item No. 16. Punjab, under column 2, the entry "1. Bicycle" shall be deleted and the existing entries 2 to 22 shall be renumbered as 1 to 21;
- (vii) against item No. 17. Rajasthan under column 2, the entry "1. Bicycle" shall be deleted and the existing entries 2 to 24 shall be renumbered as 1 to 23;
- (viii) against item No. 19. Tamil Nadu, under column 2, the entry "2. Bicycle" shall be deleted and the existing entries 3 to 21 shall be renumbered as 2 to 20; and
- (ix) against item No. 21. Uttar Pradesh, under column 2, the entry "2. Bicycle" shall be deleted and the existing entries 3 to 27 shall be renumbered as 2 to 26.

[No. 56/79-XII]

By Order,

K. GANESAN, Secy.

